

हरिेशमि दविस 2024

स्रोत : इंडयिन एक्सप्रेस

6 अगस्त 1945 को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका द्वारा जापान के हरिेशमि पर परमाणु बम गरिए जाने की स्मृति में 6 अगस्त को हरिेशमि दविस मनाया जाता है।

- 6 अगस्त 1945 को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका ने हरिेशमि पर **B-29 बमवर्षक एनोला गे का उपयोग करके "लटिलि बॉय" नामक परमाणु बम** गरिया था।
 - इसमें लगभग **70,000-80,000 लोग तुरंत मर गए** और बाद में कई लोगों की चोट और विकिरण से मृत्यु हो गई।
- 9 अगस्त 1945 को **अमेरिका ने नागासाकी पर दूसरा परमाणु बम "फैट मैन"** गरिया, जिसके कारण 15 अगस्त 1945 को जापान ने आत्मसमर्पण कर दिया और द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त हो गया।
- इसने **युद्ध में परमाणु हथियारों के पहले उपयोग** को चहिनति कया और 15 अगस्त 1945 को जापान के आत्मसमर्पण का कारण बना, जिससे द्वितीय विश्व युद्ध प्रभावी रूप से समाप्त हो गया।
- **जनरल डगलस मैकआर्थर** और अन्य शीर्ष कमांडरों ने नरितर बमबारी और योजनाबद्ध बड़े पैमाने पर आक्रमण, **"ऑपरेशन डाउनफॉल"** का समर्थन कया, जिसके परिणामस्वरूप 1 मिलियन अमेरिकी कैजुअल्टी होने का अनुमान था।
 - ऐसी उच्च कैजुअल्टी से बचने के लयि, राष्ट्रपति ट्रूमैन ने परमाणु बम का प्रयोग करने का फैसला कया।
- दसिंबर 1941 में, अमेरिकी सरकार ने **जे रॉबर्ट ओपेनहाइमर** के नेतृत्व में बम विकसिति करने हेतु **मैनहट्टन परयोजना** शुरू की।
- परमाणु बमबारी की घटना ने परमाणु हथियारों के प्रसार को प्रतबिंधति करने के लयि **व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतबिंधि संधि (CTBT)**, **परमाणु अप्रसार संधि**, सीमति परीक्षण प्रतबिंधि संधि, **परमाणु आपूरतकिरता समूह** आदि को उत्पन्न कया।

और पढ़ें: [हरिेशमि बमबारी की 75वीं वर्षगांठ](#)